ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 31-12-2021

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-12-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-01-01	2022-01-02	2022-01-03	2022-01-04	2022-01-05
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	9.0	11.0	11.0	11.0	12.0
न्यूनतम तापमान(से.)	0.0	1.0	1.0	2.0	2.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	50	50	50	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	70	75	80
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	300	310	310	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	2	1	3	3

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 9.0 से 12.0 व 0.0 से 2.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को पहाड़ों में कुछ स्थानों पर पाला पड़ने की संभावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 5 से 11 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम तापमान सामान्य से कम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल के लिए पिछले हफ्ते एनडीवीआई 0.15-0.5 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मैप 2 से 29 दिसम्बर तक हल्की नमी की स्थिति को दर्शाता है। सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें। किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| 31 दिसम्बर व 1 जनवरी को पहाड़ों में कुछ स्थानों पर पाला पड़ने की सम्भावना है अतः फसल को ठंड और पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए, खेत में सिंचाई करें, खेत के चारों ओर धुआं करें तथा पुआल और घास का उपयोग कर फसल को कवर करें। सरदी से बचाव के लिए पशुघर का प्रबंध ठीक से करें तथा पशुओं को गुड़ व अजवायन खिलाएं, यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है। गुड़ व अजवायन को पानी में मिलाकर न खिलायें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा लेकिन 31 दिसम्बर व 1 जनवरी को पहाड़ों में कुछ स्थानों पर पाला पड़ने की भी संभावना है। पाला पड़ने की स्थिति में खेत में हल्की सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों में माहुँ का प्रकोप होने पर थायमेथोक्जाम 25 डब्लू जी की 50-100 ग्रा0 मात्रा का 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करे। फसल को पाले से बचाने के लिए सिंचाई करे।
गेहूँ	आगामी दिनों में पाले की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाई फसल में हल्की सिंचाई करें तथा सिंचाई के बाद यूरिया का छिड़काव करें। खेत के आसपास धुआं भी कर सकते है।
लहसुन	पाले के प्रभाव से लहसून की पत्तियाँ पीली पड़ सकती है अतः इसके बचाव हेतु फसल की सिंचाई करें और पौधों को प्लास्टिक की चादर से ढक दें तथा टेबुकोनाजोल का 1 मिली/लीटर+प्रोफेनोफोस का 1 मिली/ लीटर की दर से छिड़काव करें।
चना	पाले के कारण चने की वृद्धि में कमी व पत्तियों और प्रकंदों की अकाल मृत्यु हो सकती है, इसे रोकने के लिए सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू के पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु, आलू उत्पादक किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इस स्थिति में साइमोक्जेनिल + मैन्कोजेब अथवा डाइमिथोमार्फ + मैन्कोजेब अथवा फैनामिडान + मैन्कोजेब में से किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 3.0 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रोग की अत्याधिक तीव्रता बढ़ने पर ऊपर दिये गये किसी एक सम्मिश्रण फफूदनाशी का 10-15 दिन के अन्तराल में पुनः छिड़काव करें लेकिन किसान भाइयों से अनुरोध है कि एक सम्मिश्रण फंफूदनाशी का एक बार ही छिड़काव हेतु प्रयोग करें। सम्मिश्रण फंफूदनाशी के छिड़काव उपरान्त रोग की तीव्रता कम होने पर आवश्यकतानुसार मैन्कोजेब नामक फंफूदनाशी का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। फसल को आगामी मौसम की स्थिति से बचाने के लिए फसल की सिंचाई करें और पौधों को प्लास्टिक की चादर से ढक दें।
शिमला मिर्च	पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ पॉलीहाउस के भीतर टमाटर, शिमला मिर्च एवं खीरा की खेती की जानी हैं, में सफाई कर मिट्टी की खुदाई करें तथा फार्मलीन जैसे रसायन से उपचार करें।
सब्जी पीईए	मध्यम ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में जहाँ ओला गिरने की संभावना रहती हो में तुरंत खेती कर तैयारी कर मटर की प्रजाति अरकिल या अन्य अगेती प्रजाति की बुवाई करें। फसल को आगामी पाले की स्थिति से बचाने के लिएए फसल की सिंचाई करें और कराथेन का 1 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
सेब	सेब में कैंकर रोग की रोकथाम के लिए कटाई-छटाई के दौरान रोगी एवं कीट ग्रसित अथवा अवांछनीय शाखाओ को काटकर कीटनाशक तथा फफूँदी नाशक रसायनो का छिडकाव करे। आगामी दिनों में पाले की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसान भाई हल्की सिंचाई तथा बगीचे के आसपास धुआं करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।
गाय	इस बदलते मौसम में नवजात पशुओं में निमोनिया की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए पशुओं की आवास व्यवस्था को सुदृढ़ करें व आहार में गर्म चीजें दें। पशुओं को सर्दी से बचाने के लिए बिना पानी में मिलाए ही गुड़ के साथ अजवाइन का सेवन कराना चाहिए। यह उन्हें गर्मी और ऊर्जा देता है।